समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 18 August 2026

कांग्रेस नेता के.एस. अलागिरी का विवादित बयान : “अगर कंगना तमिलनाडु आये तो थप्पड़ जड़े” — भाजपा ने की कड़ी निंदा

Publisher

Published on 18 Sep 2025

भारतीय राजनीति में बयानबाजी का स्तर लगातार सुर्खियाँ बटोर रहा है। ताज़ा मामला कांग्रेस नेता **के.एस. अलागिरी** का है, जिन्होंने बीजेपी सांसद एवं अभिनेत्री **कंगना राणौत** को लेकर विवादित टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि यदि कंगना तमिलनाडु आयें, तो उन्हें “थप्पड़ जड़ा जाना चाहिए।” इस बयान ने राजनीतिक हलकों में भूचाल ला दिया है और भाजपा ने इसे **महिला सांसद के प्रति असम्मान** बताया है।

अलागिरी का विवादित बयान

कांग्रेस नेता और तमिलनाडु कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष **के.एस. अलागिरी** ने सार्वजनिक मंच से यह टिप्पणी दी। उन्होंने आरोप लगाया कि कंगना राणौत अक्सर ऐसे बयान देती हैं जो जनता की भावनाओं को भड़काते हैं। अलागिरी ने कहा—

> “अगर वह हमारी तरफ (तमिलनाडु) आयें, तो किसी को चाहिए कि उन्हें थप्पड़ मार दे।”

बयान सामने आते ही सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रिया होने लगी। भाजपा नेताओं ने इसे **राजनीतिक शिष्टाचार के खिलाफ** करार दिया।

भाजपा की प्रतिक्रिया

भाजपा नेताओं ने अलागिरी की टिप्पणी को निंदनीय बताते हुए तत्काल माफी की मांग की। उनका कहना है कि:

- यह बयान **लोकतांत्रिक मूल्यों और संसदीय गरिमा** के खिलाफ है।
- एक महिला सांसद को इस तरह की **हिंसात्मक भाषा** से धमकाना अस्वीकार्य है।

- कांग्रेस को स्पष्ट करना चाहिए कि क्या पार्टी ऐसे शब्दों का समर्थन करती है।

भाजपा सांसदों ने कहा कि राजनीति में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन व्यक्तिगत हमले और हिंसात्मक टिप्पणी **लोकतंत्र की आत्मा को चोट पहुँचाती है।**

कांग्रेस का बचाव और सफाई

कांग्रेस ने अलागिरी की ओर से सफाई देते हुए कहा कि उनका बयान भावनात्मक था और इसका उद्देश्य हिंसा को बढ़ावा देना नहीं था। पार्टी नेताओं का तर्क है कि:

- कंगना राणौत की कई पुरानी टिप्पणियाँ भी **विवादित और उकसाने वाली** रही हैं।
- अलागिरी की बात को **संदर्भ मे देखा जाना चाहिए**, इसे शाब्दिक रूप से नहीं लिया जाना चाहिए।
- कांग्रेस महिलाओं के सम्मान और अधिकारों की पक्षधर है।

खुद अलागिरी ने भी कहा कि उनकी टिप्पणी "भावनाओं में बहकर" दी गई थी।

कंगना राणौत पर राजनीतिक विवाद क्यों?

कंगना राणौत सिर्फ एक लोकप्रिय अभिनेत्री ही नहीं, बल्कि एक **तेजतर्रार भाजपा सांसद** भी हैं। वे अपने बयानों और बेबाक शैली के लिए जानी जाती हैं। कई मौकों पर उन्होंने विपक्षी दलों और नेताओं को लेकर तीखी टिप्पणियाँ की हैं, जिन पर विवाद खड़ा हुआ।

- किसान आंदोलन पर बयान देते हुए उन्होंने महिला प्रदर्शनकारियों पर आरोप लगाया था कि उन्हें "भाड़े पर लाया गया है।"
- विपक्षी दलों पर वह अक्सर "एंटी-नेशनल" या "देश विरोधी सोच" रखने का आरोप लगाती रही हैं।

इन्हीं कारणों से विपक्षी नेता उन पर अक्सर नाराज़गी जताते हैं।

सामाजिक और कानूनी पहलू

यह विवाद केवल राजनीतिक ही नहीं बल्कि **सामाजिक और कानूनी** दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

- किसी महिला सांसद को "थप्पड़ मारने" जैसी टिप्पणी **महिला विरोधी मानसिकता** को दर्शाती है।
- भारतीय संविधान के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है, लेकिन **हिंसा भड़काने वाले बयान** इसकी सीमाओं से बाहर आते हैं।
- इस मामले में कंगना चाहें तो **कानूनी कार्रवाई** भी कर सकती हैं।

कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह का बयान **धारा 509** (महिला की गरिमा का अपमान) और **धारा 504** (जानबूझकर अपमान करके शांति भंग करना) के तहत कार्रवाई योग्य हो सकता है।

राजनीतिक प्रभाव

इस विवाद ने कई राजनीतिक मायने भी पैदा कर दिए हैं:

1. **भाजपा के लिए मौका** — पार्टी इसे कांग्रेस की महिला विरोधी सोच से जोड़कर जनता के सामने पेश कर सकती है।
2. **कांग्रेस के लिए संकट** — अलागिरी का बयान पार्टी की छवि को नुकसान पहुँचा सकता है, खासकर महिला मतदाताओं में।
3. **मीडिया और सोशल मीडिया पर बहस** — यह बयान अब बहस का मुद्दा बन चुका है और ट्रेंड कर रहा है।

4. **तमिलनाडु की राजनीति पर असर** — वहाँ क्षेत्रीय दल भी इसे मुद्दा बनाकर कांग्रेस पर दबाव डाल सकते हैं।

मीडिया और जन प्रतिक्रिया

सोशल मीडिया पर इस बयान को लेकर गुस्सा और समर्थन दोनों देखने को मिला।

- भाजपा समर्थकों ने इसे "महिला विरोधी राजनीति" बताया।
- कांग्रेस समर्थकों ने कहा कि बयान को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जा रहा है और असली मुद्दों से ध्यान हटाने की कोशिश की जा रही है।

मीडिया चैनल और अखबारों ने भी इसे बड़ी सुर्खियों में स्थान दिया है, जिससे मामला और गरमाता जा रहा है।

कांग्रेस नेता **के.एस. अलागिरी** की विवादित टिप्पणी ने राजनीति में एक नई बहस छेड़ दी है। भाजपा इसे महिला सांसद का अपमान और हिंसात्मक भाषा करार दे रही है, जबकि कांग्रेस इसे भावनात्मक प्रतिक्रिया बता रही है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.